फरीदाबाद
मजदूर समाचार

राहें तलाशने-बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

नई सीरीज नम्बर 238 | 1/- | अप्रैल 2008

जनता का
ज्यादा राज़नीतिक होना
जनता का
बेड़ा गर्क करता है।

यह बातें भी पढ़िये

7 मार्च को दो सज्जन मजदूर लाइब्रेरी पहुँचे। खड़े-खड़े ही गुस्से में बोलने लगे: आप ही मजदूर समाचार निकालते हैं ?! आपने हमारी कम्पनी के बारे में झूठी खबर छापी है। हम आपके खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट लिखवायेंगे। अदालत में मामला दायर करेंगे। आपने हमारी कम्पनी को बदनाम किया है। सबूत दीजिये। जिस मजदूर ने आपको बताया उसका नाम बताइये। उस मजदूर की फोटो क्यों नहीं छापी....

बैठिये। पानी लेंगे? कहाँ से आये हैं?

गुड़गाँव से आये थे। बैठने पर भी गुस्सा कम नहीं हुआ : मजदूर जो कुछ भी कहेंगे वही आप छाप देंगे क्या ? मजदूर तो झूठ बोलते हैं। हो सकता है कि जिसने लिखवाया है वह अब हमारे यहाँ हो ही नहीं और कम्पनी की बदनामी करना चाहता हो। एक-दो बार अखबार में और छप जायेगा तो हमें कम्पनी बन्द करनी पड़ेगी। तब मजदूरों को रोटी आप खिलायेंगे ? नौकरी आप देंगे ? गुड़गाँव में इस समय एक्सपोर्ट कम्पनियों के हजारों मजदूर सड़क पर हैं। आप उन्हें रोटी खिलाइये। उनकी नौकरी लगवाइये। उन फैक्ट्रियों को खुलवाइये.....

किस फैक्ट्री की खबर है ? क्या लिखा है उस में ? मजदूर समाचार के जनवरी व फरवरी अंकों में लिखा था: "... सुबह 9 से रात 9 ड्युटी.... हैल्परों की तनखा 2350 और कारीगरों की 3000-3500 रुपये। सौ से ज्यादा मजदूर हैं पर ई.एस.आई. व पी.एफ. 30 के ही हैं।" इसमें क्या-क्या गलत है ....

आप मजदूरों की ही बातें क्यों छापते हैं ? हमारी बातें भी छापिये। मजदूर कामचोरी करते हैं। मशीनें खराब करते हैं। तोड़फोड़ कर नुकसान पहुँचाते हैं। अर्जेन्ट माल को लटका देते हैं। ऐन मौके पर ओवर टाइम पर रुकते नहीं और बहाने बना कर छुट्टी कर लेते हैं। सरल काम को ठीक से करना सिखाने में भी 2-4-10 दिन लग जाते हैं और तभी छोड़ कर दूसरी जगह चले जाते हैं ....

हम छोटी फैक्ट्री वालों की परेशानियाँ बहुत हैं। मण्डी में होड़ बहुत ज्यादा है। चीन का माल बहुत सस्ता है। बड़ी कम्पनियों से यहाँ हम प्रतियोगिता नहीं कर सकते। क्वालिटी में उनका मुकाबला करना भारी पड़ता है। बैंकों से कर्ज लिया है। तैयार माल लेने वाली पुरानी पार्टियों को बनाये रखना है और नई पार्टियाँ बनानी हैं। कभी अर्जेन्ट माल के लिये मारामारी तो कभी काम कम होने का रोनाधोना। न किसी को रखना आसान है और न किसी को निकालना आसान। किसी से भी काम करवाना तो बहुत-ही मुश्किल है। पार्टियों को समय पर माल देने के लिये जनरेटरों का इस्तेमाल करना बहुत महँगा पड़ता है। पार्टियों से पेमेन्ट वसूलना.....

हर समय सौ झँझट रहते हैं। आपने हमारी कम्पनी के बारे में छाप कर परेशानियाँ बढा दी हैं। श्रम विभाग ने छापा मारा। उप श्रमायुक्त सख्ती से पेश आई और बोली कि मजदूरों को कम से कम 3510 रुपये वेतन तो दो ही। जिन्हें हम माल देते हैं वे कहने लगे हैं कि अखबारों में आने लगा है कि तुम मजदूरों को तनखा कम देते हो, हम तुम्हारा माल नहीं लेंगे। सरकारी अधिकारी-कर्मचारी तो हर समय लेने के फेर में रहते हैं। हम किस-किस को दें ? आपने हमें ई.एस.आई., पी.एफ., एक्साइज वालों की नजरों में ला दिया है। कितना टैक्स दें ! अखबार में अपनी बातें देख कर मजदूर भी भड़कते हैं। सोच-सोच कर रात को नींद नहीं आती.....

फैक्ट्री लगाने में बहुत फायदा है सोच कर मैंने नौकरी छोड़ी..... और मैंने वकालत छोड़ी.....

क्या-क्या गलत है ? ड्युटी 12 घण्टे ....

4 घण्टे का ओवर टाइम देते हैं !

तीन महीने में 50 घण्टे से ज्यादा ओवर टाइम नहीं का कानून है। आप तो एक महीने में ही 100 घण्टे से ज्यादा.....ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से करने का कानून है। करते हैं क्या ?

सब कम्पनियाँ सिंगल रेट से ओवर टाइम की पेमेन्ट करती हैं। हम भी सिंगल रेट से देते हैं। दुगुनी दर से भुगतान करने पर कम्पनी चल ही नहीं सकती। डबल रेट से देने पर हमें बचेगा क्या?

ई.एस.आई. 100 में 30 मजदूरों की ही....

काम ज्यादा होने पर हम मजदूर भर्ती करते हैं और काम कम होने पर निकाल देते हैं। महीना-बीस दिन के लिये किसी की ई.एस.आई. करवाने का क्या फायदा ? फिर, मजदूर स्वयं कहते हैं कि ई.एस.आई. में अच्छी दवाइयाँ नहीं मिलती। जगह-जगह लम्बी-लम्बी कतारें लगानी पड़ती हैं। पूरा दिन खराब हो जाता है, दिहाड़ी मारी जाती है। डॉक्टरों के नखरे ऊपर से। ई.एस.आई. होने से तो ना होनी ही भली....

100 में 30 मजदूरों की ही पी.एफ.....

मजदूर खुद ही कहते हैं कि इतनी कम तनखा में उनका गुजारा मुश्किल से होता है इसलिये तनखा से पी.एफ. मत काटो। फण्ड का फार्म भरने, जमा करने, निकालने के लिये बैंक खाता हो.... कई झँझट हैं। इन लफड़ों से तो अच्छा है ई.एस.आई., पी.एफ. नहीं होना ताकि कम से कम तनखा तो पूरी मिले। इसलिये हम.....

लेकिन फैक्ट्री में काम कर रहे किसी मजदूर की ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं होने का मतलब तो यह है कि वह मजदूर फैक्ट्री में होते हुये भी फैक्ट्री में नहीं है।

फैक्ट्री बन्द करने में क्या लगता है। हम एक दिन में कम्पनी बन्द कर दें। लेकिन हम चाहते हैं कि फैक्ट्री चलती रहे। हम मजदूरों को रोटी दे रहे हैं। उनके बच्चे इस कम्पनी के पीछे पल रहे हैं। हमें ऊपरवाला रोटी दे रहा है। हम यह सोच कर जैसे-तैसे फैक्ट्री चला रहे हैं कि हम भी कुछ लोगों को रोटी दे रहे हैं। इससे हमारी आत्मा को तसल्ली होती है।

मजदूर समाचार में साझेदारी के लिये :

★अपने अनुभव व विचार इसमें छपवा कर चर्चाओं को कुछ और बढवाइये। नाम नहीं बताये जाते और अपनी बातें छपवाने के कोई पैसे नहीं लगते। ★ बाँटने के लिये सड़क पर खड़ा होना जरूरी नहीं है। दोस्तों को पढवाने के लिये जितनी प्रतियाँ चाहियें उतनी मजदूर लाइब्रेरी से हर महीने 10 तारीख के बाद ले जाइये। ★ बाँटने वाले फ्री में यह करते हैं। सड़क पर मजदूर समाचार लेते समय इच्छा हो तो बेझिझक पैसे दे सकते हैं। रुपये—पैसे की दिक्कत है।

महीने में एक बार छापते हैं, 7000 प्रतियाँ फ्री बाँटने का प्रयास करते हैं। मजदूर समाचार में आपको कोई बात गलत लगे तो हमें अवश्य बतायें, अन्यथा भी चर्चाओं के लिए समय निकालें।

मजदूर लाइब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन. आई. टी. फरीदाबाद - 121001 (यह जगह बाटा चौक और मुजेसर के बीच गंदे नाले की बगल में है।)

दर्पण में चेहरा–दर–चेहरा

चेहरे डरावने हैं.... आईना ही नहीं देखें या फिर हालात बदलने के प्रयास करें?

ब्ल्यू फोरजिंग मजदूर : " प्लॉट 10 सैक्टर-25 स्थित फैक्ट्री में 12 ठेकेदारों के जरिये रखे 250 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ***जे सी बी*** के गियर बनाते हैं। बहुत गर्म और खतरनाक काम है। कई घड़ियाँ लगी हैं। पाँव बचा कर काम करना पड़ता है। दस्ताने एक दिन में ही फट जाते हैं पर देते सप्ताह में एक बार ही हैं। काम के लिये भारी दबाव रहता है, फोरमैन हर समय सिर पर खड़े रहते हैं। बस काम-काम-काम ..... भोजन अवकाश नहीं होता, जैसे-तैसे खाना खा कर काम में लग जाना पड़ता है। पीने का पानी खारा है। लैट्रीनें इतनी गन्दी रहती हैं कि मुँह पर कपड़ा बाँध कर जाना पड़ता है। चोट लगने पर प्रायवेट में उपचार करवा कर निकाल देते हैं यह कह कर कि यहाँ काम करना तुम्हारे बस का नहीं है। हैल्परों को 2400 और ऑपरेटरों को 2400-3000 रुपये तनखा ठेकेदार देते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल दर से। ब्ल्यू फोरजिंग की सैक्टर-25 में ही प्लॉट 12 और 13 में भी फैक्ट्रियाँ हैं और वहाँ भी ऐसी ही हालात हैं।"

स्टैन्डर्ड इलेक्ट्रिक वरकर : " एन एच 1 एच/16 स्थित कम्पनी फिलिप लाइट, एल एण्ड डी स्विचगियर, रैलिसन केबल्स की थोक विक्रेता है। यहाँ वरकर सुबह 9 से रात 9 तक काम करते हैं, रात 11-12 तक रोक लेते हैं। साप्ताहिक अवकाश भी कभी-कभार ही। ओवर टाइम के कोई पैसे नहीं देते। महीने के 3000-4000 रुपये देते हैं और बीमारी के कारण नहीं पहुँचने पर दिहाड़ी काट लेते हैं। कम्पनी के कर्ता-धर्ता आर. के. अग्रवाल भारत विकास परिषद, अग्रवाल महासभा, राजस्थान संघ, रोटरी-लायन्स क्लब आदि के पदाधिकारी हैं।"

पी सी एम गारमेन्ट्स मजदूर : " संजय कॉलोनी सैक्टर-23 में नवचेतना अस्पताल के नीचे कब्र में स्थित फैक्ट्री में काम करते हम 150 मजदूरों में किसी की भी ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं। सुबह 9 से रात 10 की रोज ड्युटी है। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 2000 और कारीगरों की 3000 रुपये। कम्पनी 13 घण्टे कार्य के दौरान एक कप चाय भी नहीं देती। हम अपनी परेशानियाँ डायरेक्टर से कहते हैं तो साहब गाली देता है।"

5 स्टार वरकर : "प्लॉट 50 एन एच पी सी गेट के सामने स्थित फैक्ट्री में हम 100 मजदूरों की ई.एस.आई. व पी.एफ. अचानक बन्द कर दी हैं। हमें 12 घण्टे रोज पर महीने के 3510 रुपये देते थे और उन में से ई.एस.आई. व पी.एफ. राशि काटते थे। दो से पाँच साल हो गये थे राशि कटते पर इस बार हमें पूरे 3510 रुपये दिये। अब फैक्ट्री में 75 मजदूरों की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं।"

मकास ब्रेकशू ऑटोमोटिव मजदूर : "प्लॉट 111 सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में 11 से 23 फरवरी की ले-ऑफ के बाद हम 25 को ड्युटी के लिये पहुँचे तो गेट पर कम्पनी बन्दी की सूचना चिपकी पाई। ***क्लच ऑटो*** समूह की इस कम्पनी क नाम पहले ***रेबेस्टोस*** था।

" हम श्रम मन्त्री के घर गये। उन्होंने श्रम अधिकारी और श्रम उपायुक्त को लिखा। श्रम विभाग में 26 फरवरी, 4-12-14 मार्च की तारीखें पड़ चुकी हैं। तीन और 8 मार्च के बीच अपने प्रभाव का प्रयोग कर क्लच ऑटो अधिकारियों ने हम में से 9 को प्रतिवर्ष 40 दिन के पैसे अनुसार हिसाब दे दिया। श्रम उपायुक्त, श्रम अधिकारी, कम्पनी डायरेक्टर अनुज मेहता, क्लच ऑटो का परसनल मैनेजर आज 14 मार्च को फैक्ट्री आये और नौकरी भूल जाओ की बातें की। श्रम उपायुक्त ने हिसाब में कुछ पैसे बढाने की कह कर 19 मार्च की तारीख दी है।

"घाटे को कम्पनी बन्द करने का कारण बताया जा रहा है जबकि इन 3 वर्षों में बोनस 18 से 19 कर दिवाली 07 पर 20 प्रतिशत दिया गया। एस्बेसटोस पर पाबन्दी के कारण उत्पादन नहीं हो सकता की दलील थोथी है क्योंकि यहाँ फरीदाबाद में ही ***हैदराबाद इन्डस्ट्रीज*** में बड़े पैमाने पर एस्बेसटोस उत्पादन में प्रयोग किया जा रहा है।

" मकास-रेबेस्टोस में भारी प्रदूषण में हम 40 स्थाई तथा 250-300 कैजुअल वरकर क्लच फेसिंग और ब्रेक लाइनिंग का उत्पादन करते थे। मैनेजमेन्ट ने दिसम्बर 06 में कैजुअलों को निकालना शुरू किया और नवम्बर 07 में वे 15-20 ही बचे थे। मार्च 07 से कम्पनी ने गुड़गाँव में ***टी के डब्लू*** और नोएडा में ***ब्रेकवैल*** फैक्ट्रियों से अपना कार्य करवाना आरम्भ किया। तभी से यहाँ कार्य ढीला – अप्रैल 07 में यहाँ से मशीनें उठाने की बातें हुई थी। कारणों का हमें ठीक से पता नहीं पर परिणाम है हमारी नौकरियाँ जाना।"

पेस एग्जिम वरकर : "प्लॉट 158 डी एल एफ इन्डस्ट्रीयल एस्टेट स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 1700 और ऑपरेटरों की 2000-2200 रुपये है पर हस्ताक्षर 3510 व 3640 पर करवाते हैं। सुबह 9 से रात 11 की शिफ्ट है – रविवार को सवेरे 7 से दोपहर 3 बजे तक। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

सेक्युरिटी गार्ड : "सैक्टर 9-10 डिवाइड रोड़ पर कार्यालय वाली ***पैन्थर सेक्युरिटी*** कम्पनी भर्ती के समय 8 घण्टे ड्युटी पर महीने के 3640 रुपये बताती है पर वास्तव में 12 घण्टे रोज पर 30 दिन के 3000-3500-4000 रुपये देती है। हस्ताक्षर 5500 रुपये पर करवाते हैं। वर्दी के 1100 और जैकेट के 500 रुपये लेते हैं – जूते नहीं देते। गाली देते हैं। करीब 500 गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ई.एस.आई. , पी.एफ. और एच एस के नाम से हर महीने 6 हाजिरी काटते हैं। ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते और छोड़ने पर फण्ड निकालने का फार्म नहीं भरते।"

प्रणव विकास मजदूर : "45-46 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में रात 11¼ से अगले रोज सुबह 7¼ वाली शिफ्ट में भोजन अवकाश नहीं देते। रात को मात्र एक चाय। पूर्ण उपस्थिति के लिये कम्पनी प्रतिमाह 200 रुपये देती है पर एक दिन मात्र 5 मिनट की देरी पर यह 200 काट लेती है। सुपरवाइजर बदतमीजी करते हैं। पेन्ट शॉप में सिर पर गन्दी साड़ी बाँधनी पड़ती है और 2-3 रुपये का सस्ता मास्क जो प्रतिदिन देना चाहिये वह 15 दिन में देते हैं। पेन्ट बूथ की सफाई नहीं करवाये जाने के परिणामस्वरूप पेन्ट हमारे अन्दर जाता है।"

हरियाणा ग्लोबल वरकर : " 5 बी नोरदर्न कम्पलैक्स, 21/3 मथुरा रोड़ स्थित फैक्ट्री में 80 पावर प्रेस ऑपरेटर 12 घण्टे की एक शिफ्ट में काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। प्रेस ऑपरेटर की तनखा 2600 रुपये है पर हस्ताक्षर 3800 पर करवाते हैं। उपस्थिति कम दिखा कर ई.एस.आई. व पी.एफ. 2600 पर काटते हैं। ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते और कहते हैं कि पी.एफ. रोहतक में जमा होता है – नौकरी छोड़ने पर फण्ड निकालने का फार्म नहीं भरते। हैल्परों की तनखा 2200 रुपये है और उन से हस्ताक्षर नहीं करवाते।"

डी पी ऑटो मजदूर : "प्लॉट 228 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में हम 150 वरकर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ***सोनालिका, महिन्द्रा, पंजाब ट्रैक्टर्स*** के पुर्जे बनाते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों की तनखा 1800 रुपये है पर हस्ताक्षर 3510 पर करवाते हैं। ऑपरेटरों का वेतन 2800-2900 रुपये। ई.एस.आई. कार्ड 150 में 4-5 को ही दिये हैं।"

वीनस मैटल कम्पोनेन्ट्स वरकर : " प्लॉट 10 सैक्टर-25 कृष्णा कॉलोनी स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2000 और ऑपरेटरों की 2500 रुपये। सौ में 50 के ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं और इन 50 को भी 2000-2500 तनखा पर इन से हस्ताक्षर 3510-4000 पर करवाते हैं। लगातार ड्युटी करते हुओं की बीच-बीच में ई.एस.आई. व पी.एफ. बन्द कर देते हैं। फैक्ट्री में 30 पावर प्रेस हैं। हाथ कटते रहते हैं – सन् 2000 से पहले एक्सीडेन्ट रिपोर्ट भर कर ई.एस.आई. भेज देते थे पर उसके बाद से एक्सीडेन्ट रिपोर्ट भरते ही नहीं। हाथ कटने पर चावला कॉलोनी, बल्लभगढ में मित्तल नर्सिंग होम भेज देते हैं। फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की शिफ्ट हैं, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी,
आटोपिन झुग्गी,
एन.आई.टी फरीदाबाद – 121001

कानून हैं शोषण के लिये छूट है कानून से परे शोषण की

कानून : ●37-40 दिन काम करने पर 30 दिन की तनखा, अगले महीने की 7-10 तारीख तक दे ही देना; ●8 घण्टे की ड्युटी, तीन महीने में 50 घण्टे से ज्यादा ओवर टाइम काम नहीं, ओवर टाइम का भुगतान वेतन की दुगुनी दर से; ●*प्रतिदिन 8 घण्टे काम और सप्ताह में एक दिन की छुट्टी पर 01.07.2007 से हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित कम से कम तनखा प्रतिमाह इस प्रकार हैं : अकुशल मजदूर (हैल्पर) 3510 रुपये (8 घण्टे के 135 रुपये) ; अर्धकुशल अ 3640 रुपये (8 घण्टे के 140 रुपये) ; अर्धकुशल ब 3770 रुपये (8 घण्टे के 145 रुपये); कुशल श्रमिक अ 3900 रुपये (8 घण्टे के 150 रुपये) ; कुशल श्रमिक ब 4030 रुपये (8 घण्टे के 155 रुपये); उच्च कुशल मजदूर 4160 रुपये (8 घण्टे के 160रुपये) । कम से कम का मतलब है इन से कम तनखा देना गैरकानूनी है। जनवरी से देय डी.ए. की सूचना श्रम विभाग, फरीदाबाद में अप्रैल-आरम्भ तक नहीं।*

मदन ट्रेडिंग मजदूर : " प्लॉट 4 सैक्टर-31.स्थित फैक्ट्री में 700 वरकर ठेकेदारों के जरिये रखे हैं और 76 मजदूर स्थाई हैं। एक शिफ्ट है 12 घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। ठेकेदारों के जरिये रखे 175 हैल्परों को 8 घण्टे के 90 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं, साप्ताहिक छुट्टी नहीं।"

बाटा गोदाम वरकर : " इन्डस्ट्रीयल एरिया में बाटा फैक्ट्री स्थित सेल गोदाम में ठेकेदार ***हाइपर नेटवर्क*** के जरिये हम 50 मजदूरों को रखा है। हमारी सुबह 9 से रात 9 की एक शिफ्ट है। हमें प्रतिदिन 12 घण्टे काम पर 26 दिन के 3510 रुपये देते हैं।"

सुपर फैशन मजदूर : " प्लॉट 262 ए-बी सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

सेब्रोस इन्टरप्राइजेज वरकर : " प्लॉट 1 ए सैक्टर-6 स्थित फैक्ट्री में कैजुअलों की तनखा 3000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। ***मारुति सुजुकी*** और ***हीरो होण्डा*** के रबड़ के पुर्जे बनते हैं।"

यूनिवर्सल मैटल मजदूर : " 30/5 इन्डस्ट्रीयल एरिया स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2200 और ऑपरेटरों की 2500-2800 रुपये। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से।"

न्यू हीरा वरकर : " प्लॉट 352 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2500-3000 रुपये।"

साइन्टिफिक मजदूर : " प्लॉट 165 सैक्टर-25 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। ऑपरेटरों की तनखा 2800-3200 रुपये, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हैल्परों को 12 घण्टे रोज पर महीने के 3510 रुपये।"

परफैक्ट पैक वरकर : " प्लॉट 134 सैक्टर -24 स्थित फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। ओवर टाइम के पैसे सिंगल दर से। साप्ताहिक छुट्टी नहीं। हैल्परों को 8 घण्टे रोज पर 30 दिन के 2500 रुपये और ऑपरेटरों को 2700-3200 रुपये। हस्ताक्षर 3510 पर करवाते हैं।"

सुपर मैटल मजदूर : " प्लॉट 118-119 संजय कॉलोनी सैक्टर-23 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 1800-2000 और ऑपरेटरों की 2300 रुपये। एक शिफ्ट 12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। साठ मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं।"

सँखल डाई कास्टिंग वरकर : " प्लॉट 64-65 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 1800-2000 और ऑपरेटरों की 3200-3500 रुपये। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल दर से।"

एस पी सी मजदूर : " प्लॉट 383-4 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में 10 वरकर कम्पनी ने स्वयं भर्ती किये हैं और 150 को दो ठेकेदारों के जरिये रखा है। हैल्परों को 2200 और कारीगरों को 3300 रुपये तनखा ठेकेदार देते हैं। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल दर से। फैक्ट्री में ***डेन्सो, मिन्डा*** के लिये रोटर स्टार्टर बनते हैं।"

वी एन जी ऑटोमोटिव वरकर : "प्लॉट 4 सैक्टर-24 स्थित फैक्ट्री में ठेकेदारों के जरिये रखे हम 400 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। हम में हैल्परों की तनखा 2300 और ऑपरेटरों की 3000-3200 रुपये। गड़बड़ कर महीने में 1-2 दिहाड़ी खा जाते हैं।"

गुड़गाँव से ..... *(पेज चार का शेष)*

रात 8½ से अगली सुबह 8½ तक। ओवर टाइम के मात्र 11 रुपये प्रतिघण्टा। तनखा 2700 रुपये, सब मजदूरों की। ई.एस.आई. व पी.एफ. बहुतों की नहीं हैं।"

इनस्टाइल मजदूर : " प्लॉट 140 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में ठेकेदार के जरिये रखे हम 100 मजदूरों की तनखा 2000-2500 रुपये है। हम धागा काटने, धुलाई, इस्तरी के कार्य करते हैं और ड्युटी सुबह 9 से रात 1½ बजे की है। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल दर से। फरवरी की तनखा हम में से आधों को 20 मार्च को दी और आधों को आज 28 मार्च तक नहीं दी है। हम 100 की ई.एस.आई. नहीं है, पी.एफ. नहीं है।"

कोका कोला वरकर : "प्लॉट 276-277 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में तीन ठेकेदारों के जरिये रखे हम 60 मजदूरों की तनखा 2200 रुपये है। हमारी ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं।"

सेक्युरिटी गार्ड : "डुँडाहेड़ा में कार्यालय वाली ***किरण सेक्युरिटी*** के हम 150 गार्ड 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी देते हैं। साप्ताहिक छुट्टी नहीं है। प्रतिदिन 12 घण्टे पर 30 दिन के 2900-3000 रुपये। हमारी कई महीनों की तनखा बकाया हो गई है – डायरेक्टर मिलता ही नहीं है।"

कृष्णा लेबल मजदूर : "प्लॉट 162 उद्योग विहार-1 स्थित फैक्ट्री में काम करते हम 500 वरकरों को पानी-पेशाब के लिये टोकन लेना पड़ता है और गले में टाँग कर जाना पड़ता है। सुबह 9 से साँय 6½ की शिफ्ट है और उसके बात रात 7½-8½ तक रोकते हैं। भोजन अवकाश नहीं है। रोज 9½ घण्टे ड्युटी पर महीने के हैल्पर को 3510 और कारीगर को 3640 रुपये। ई.एस. आई. व पी.एफ. राशि तनखा से काटते हैं पर ई. एस.आई. कार्ड नहीं देते और नौकरी छोड़ने पर फण्ड मिलता नहीं है।"

धीर इन्टरनेशनल वरकर : " प्लॉट 299 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में जिन मजदूरों की तनखा से पी.एफ. के पैसे काटते हैं वे फण्ड निकालने के लिये कम्पनी से जो फार्म भरवाते हैं उसे भविष्य निधि कार्यालय अपूर्ण कह कर वापस भेज देता है।"

लोगवैल फोर्ज मजदूर : "प्लॉट 116 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में कैजुअल वरकरों की तनखा से पी.एफ. के नाम पर 525 रुपये काटते हैं और कारण पूछने पर बताते नहीं।"

मिनीसेन्ट्रा वरकर : "प्लॉट 212 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हैल्परों की तनखा 2200-2500 रुपये। ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। साप्ताहिक छुट्टी नहीं। सुबह 9½ से....

कुछ पते

भविष्य निधि के लिये :

1. श्रम मन्त्री, भारत सरकार
श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग नई दिल्ली–110001
2. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
14 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली–110066
3. केन्द्र का ई-मेल पता < cpfc@alpha.nic.in>
4. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, भविष्य निधि भवन, सैक्टर-15ए, फरीदबाद–121007
ई-मेल < rpfc_fbd@yahoo.co.in>
5. उप-क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त
प्लॉट 43, सैक्टर-44, गुड़गाँव – 122002
6. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (दक्षिणी दिल्ली)
60 स्काईलार्क बिल्डिंग, पाँचवीं मंजिल
नेहरु प्लेस, नई दिल्ली – 110019
ई-मेल < rpfcdls@rediffmail.com.>
7. क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (उत्तरी दिल्ली)
28 वजीरपुर इन्डस्ट्रीयल एरिया
नई दिल्ली–110052
ई-मेल < rpfcdelhi@rediffmail.com>

ई.एस.आई. के लिये :

1. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, सैक्टर-16, फरीदाबाद–121002 (पूरे हरियाणा के लिये); 2. क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डी.डी.ए. एस.सी.ओ., राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008 (दिल्ली क्षेत्र के लिये); 3. महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, कोटला रोड़, नई दिल्ली-110002 ; 4. श्रम मन्त्री, भारत सरकार, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 और 5. ई-मेल पता < id-sys @ esic.nic.in>

गुड़गाँव से -

कई मजदूर : प्लॉट 43 सैक्टर-44, गुड़गाँव स्थित भविष्य निधि कार्यालय से बगैर रिश्वत के फण्ड नहीं निकलता। कोई न कोई कमी निकाल कर फार्म वापस भेज देते हैं।

ओरकिड ओवरसीज वरकर : " प्लॉट 133 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में हम 150-200 को कैजुअल वरकर कहते हैं और हमारी तनखा 2800 रुपये है। हमारी ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं। सुबह 8½ से साँय 5 की शिफ्ट है और 7 बजे तक रोकते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। साहब लोग बहुत चिक-चिक करते हैं, बहुत तनाव पैदा करते हैं। "

सेक्युरिटी गार्ड : "दिल्ली में गोविन्दपुरी में कार्यालय वाली ***कन्ट्रीवाइड सेक्युरिटी*** के गुड़गाँव में हम 100 से अधिक गार्ड हैं। हमारी 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। रोज 12 घण्टे पर 30 दिन के 4000 रुपये देते हैं। ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं, साप्ताहिक छुट्टी नहीं। फरवरी की तनखा हमें 13-14 मार्च को दी।"

ईस्टर्न मेडिकिट मजदूर : " उद्योग विहार फेज-1 में प्लॉट 195, 196, 205 व 206 तथा फेज-2 में प्लॉट 292 स्थित कम्पनी की फैक्ट्रियों में हम कैजुअल वरकरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। ओवर टाइम के हमें मात्र 12 रुपये प्रतिघण्टा देते हैं। फरवरी की तनखा हमें 18 मार्च को दी और फरवरी में किये ओवर टाइम के पैसे आज 28 मार्च तक नहीं दिये हैं। इधर कम्पनी ने सूचना टाँगी है कि मार्च का वेतन मई में दिया जायेगा क्योंकि भेजे माल की एक खेप रिजेक्ट हो गई है और कम्पनी घाटे में चल रही है।"

चिन्टू क्रियेशन वरकर : " प्लॉट 295 उद्योग विहार फेज-2 स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 8 की ड्युटी है। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल दर से। मजदूर लगातार ड्युटी करते रहते हैं पर हर 6 महीने में इस्तीफा दिखा कर नया कार्ड बना देते हैं। सरकारी छुट्टी के पैसे कम्पनी काट लेती है। तनखा से ई.एस.आई. व पी.एफ. राशि काटते हैं पर ई.एस.आई. कार्ड नहीं देते और फण्ड मिलता नहीं है। फण्ड निकालने का फार्म भर देते हैं पर भविष्य निधी कार्यालय हस्ताक्षर जाली कह कर फार्म वापस भेज देता है।"

विवा ग्लोबल मजदूर : "प्लॉट 413 उद्योग विहार फेज-3 स्थित फैक्ट्री में हम 500 वरकर सुबह 9½ से रात 10-11 तक रोज काम करते हैं। मार्च माह में तो प्रतिदिन रात 2 बजे तक रोक रहे हैं, सुबह 4 तक भी रोक लेते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। रात 2 बजे तक रोकने पर रोटी के 20 रुपये देते हैं।"

एमिसाल वरकर : "प्लॉट 229 उद्योग विहार फेज-4 स्थित फैक्ट्री में चमड़े के थैले बनाते हम 50 मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। हैल्परों की तनखा 3000 और कारीगरों की 3800 रुपये। सुबह 9 से साँय 6½ की ड्युटी। एक घण्टा ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट।"

पोयान्गो मजदूर : "प्लॉट 686 उद्योग विहार फेज-5 स्थित फैक्ट्री में सिर्फ 8 महिला कम्पनी ने स्वयं भर्ती की हैं और बाकी के 1200-1300 मजदूरों को एक ठेकेदार के जरिये रखा है। दो शिफ्ट हैं 12-12 घण्टे की। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। काम करते 3 महीने हो जाते हैं तब ई.एस.आई. व पी.एफ. लागू करते हैं और निकालने के 6 महीने बाद फण्ड निकालने का फार्म भरते हैं।"

ब्रेक फेयर्स वरकर : " प्लॉट 30 उद्योग विहार फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 9½ घण्टे ड्युटी पर महीने के 3510 रुपये देते हैं। सुबह 9 से रात 9 की शिफ्ट है और 2½ घण्टे को ओवर टाइम कहते हैं। इन 2½ घण्टे का भुगतान भी सिंगल रेट से। फैक्ट्री में काम करते 150 मजदूरों में 10 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं।" ***(बाकी पेज तीन पर)***

हरियाणा इन्डीकेशन मजदूर : " उद्योग विहार में फेज-2 में प्लॉट 315, 318, 322, 325 स्थित कम्पनी की फैक्ट्रियों में 2000 वरकर 11½ तथा 12 घण्टे की दो शिफ्टों में काम करते हैं – सुबह 9 से रात 8½ और

दिल्ली से -

पहली फरवरी से डी. ए. के 117 रुपये जुड़ने के बाद 01.02. 2008 से दिल्ली में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन इस प्रकार हैं : 8 घण्टे की ड्युटी और सप्ताह में एक छुट्टी पर महीने के अकुशल श्रमिक (हैल्पर) को 3633 रुपये (8 घण्टे के 140रुपये); अर्ध-कुशल मजदूर की कम से कम तनखा 3799 रुपये (8 घण्टे के 146 रुपये); कुशल श्रमिक का कम से कम वेतन 4057 रुपये (8 घण्टे के 156रुपये)। स्टाफ में अब कम से कम तनखा मैट्रिक से कम की 3824 रुपये; मैट्रिक पास परन्तु स्नातक से कम की 4081 रुपये; स्नातक एवं अधिक की 4393 रुपये।

वीयरवैल इण्डिया मजदूर : "बी-134 ओखला फेज-1 स्थित फैक्ट्री में 10 घण्टे की ड्युटी है। भोजन अवकाश और चाय का एक घण्टा काट लेते हैं। फैक्ट्री में पीने के पानी से भारी परेशानी है – किसी मजदूर की गर्दन में दर्द तो किसी के पेट में सूजन। पाँच मिनट की देरी पर आधे घण्टे के पैसे काट लेते हैं। बीमार पड़ने पर एक दिन अनुपस्थित हो गये तो 10 दिन का ब्रेक दे देते हैं। अपमान इतना करते हैं, इस कदर बेइज्जत किया जाता है कि लोग शर्म के मारे नौकरी छोड़ देते हैं। तम्बाकू जैसी छोटी-सी गलती पर गिरेबान पकड़ कर बाहर कर देते हैं। भर्ती वाले दिन कोरे और छपे कागजों पर अनेक स्थानों पर हस्ताक्षर करवा कर डर पैदा करते हैं। सिलाई विभाग में तो बहुत-ही ज्यादा जुल्म किया जाता है।"

तेग बहादुर ओवरसीज वरकर : "पहलादपुर से एफ-23 ओखला फेज-1 में लाई गई फैक्ट्री में डायरेक्टर पहुँची और मजदूरों से कागजों पर हस्ताक्षर करने को कहा। किस पर दस्तखत करवा रहे हैं यह वरकर पढने लगे तो मैनेजमेन्ट ने पढने नहीं दिया और बिना पढे हस्ताक्षर करने को कहा। इस पर एतराज बढे और खींचातान होने लगी। डेढ सौ मजदूरों ने मैडम और स्टाफ को घेर लिया। जिन दो-चार के हस्ताक्षर करवा लिये थे वे कागज वापस कर और इंग्लैण्ड से 18 मार्च को आ कर मैनेजिंग डायरेक्टर द्वारा मामला निपटाने की कह कर मैडम फैक्ट्री से निकल पाई। वर्षों से कम्पनी में काम कर रहे 150 मजदूरों की ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। मैनेजिंग डायरेक्टर चड्ढा 15 मार्च को ही फैक्ट्री पहुँच गये। नियम-कानून अनुसार फैक्ट्री चलाने के लिये ई.एस. आई. व पी.एफ. फार्म भरने की बात समझाने लगे तो साहब को सुन रहे मजदूरों ने उन्हें घेर लिया और वर्षों से किये काम का हिसाब माँगने लगे। डेढ सौ से बात नहीं हो सकती, पाँच को बात करने डी-120 भेजो कह कर किसी तरह साहब एफ-23 से निकले। बिना ई.एस.आई. व पी.एफ. जिन्हें काम करते 4 वर्ष से अधिक हो गये थे उन्हें एक महीना प्रतिवर्ष और 4 वर्ष से कम वालों को 15 दिन प्रतिवर्ष की तनखा हिसाब में देने को साहब तैयार हुये। श्रम विभाग के अधिकारी के सामने पैसे दे कर कम्पनी ने एफ-23 का मामला रफा-दफा किया।

" तेग बहादुर ओवरसीज की डी-120 व 121 ओखला फेज-1 में मुख्य फैक्ट्री है और इसमें 200 मजदूरों के ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं पर 75 के नहीं हैं। ओवर टाइम का भुगतान कानून अनुसार दुगुनी दर से, 20 प्रतिशत बोनस, हिन्दू-मुस्लिम दोनों त्यौहारों पर साँझी छुट्टी, जिन 75 की ई.एस.आई. व पी.एफ. नहीं हैं उन पर यह लागू करने की माँगें मजदूरों ने मैनेजमेन्ट के सम्मुख रखी। मैनेजिंग डायरेक्टर द्वारा माँगें नहीं माने जाने पर 18 मार्च को अनुरोधों-दबावों के बावजूद एक भी मजदूर ओवर टाइम पर नहीं रुका। फिर हिन्दू त्यौहार पर सब मुसलमान मजदूरों ने भी छुट्टी की। मैनेजिंग डायरेक्टर ने सिख धर्म की कसम खाई और हिन्दू तथा मुसलमान धर्मों की दुहाई देते हुये सब मजदूरों की मीटिंग ली पर वरकरों ने साहब की बातों को अनसुना कर दिया। जाँच करने ई.एस.आई. अधिकारी फैक्ट्री आये तो मजदूरों ने उन्हें बहुत खरी-खरी सुनाई। ऐसे में एफ-23 से सब मजदूरों को निकालने के बाद मैनेजमेन्ट डी-120 व 121 में वैसा ही करने की जुगत भिड़ा रही है..... 31 मार्च को 5 दिन फैक्ट्री बन्द करेंगे; नियम-कानून से नये सिरे से चलायेंगे; फिर सब को रख लेंगे; माल की माँग बहुत है; अब तक का हिसाब ले लो की बातें कम्पनी की तरफ से हैं। कई मजदूर न्यायालयों के चक्करों के डर से तो कुछ मजदूर इस माहौल में इस हिसाब के साथ पीछे का हिसाब झटक लेने का मौका देख रहे हैं। और, साँय 5 बजे बाद श्रम विभाग के किसी अधिकारी के पास चुन-चुन कर मजदूरों को ले जा कर कम्पनी ने हिसाब देना शुरू कर दिया है।"

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए जे० के० आफसैट दिल्ली से मुद्रित किया।

RN 42233 *पोस्टल रजिस्ट्रेशन* **L/HR/FBD/73-2011**